JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के स्तर के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन

Mrs. Renu Singh, Dr. Chetlal Prasad
Assitant Professor, Principal
Sai Nath University, Maa Vindhyavashni P.G.College Of Education Hazaribagh

Abstract- सैलोवी और मेयर (1997) ने विस्तार से बताया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता भावनाओं यता की जा सके, भावनाओं और भावनात्मक ज्ञान को समझा जा सके और भावनात्मक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भावनाओं को प्रतिबिंबित किया जा सके। को समझने, भावनाओं तक पहुँचने और उत्पन्न करने की क्षमता थी ताकि विचार की सहा

डेनियल गोलेमैन (1998) के शब्दों में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमारी अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने की क्षमता है, खुद को प्रेरित करने के लिए, और अपने और अपने रिश्तों में भावनाओं को अच्छी तरह से प्रबंधित करने की क्षमता है।

key word- भावनात्मक बुद्धिमत्ता, ज्ञान, बौद्धिक, विकास, प्रतिबिंबित, माध्यमिक, प्रभावशीलता, शिक्षक

परिचय

हमारा देश अब 21वीं सदी की दहलीज पर खड़ा है। राष्ट्र आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है या नहीं यह कल के नागरिक के जीवन की गुणवत्ता से तय होगा। चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है। शिक्षा को सार्थक बनाने के लिए न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास का लक्ष्य होना चाहिए, बल्कि एक विकासशील समाज

की जरूरतों और आकांक्षाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। इस संबंध में शिक्षकों की भावनाएं महत्वपूर्ण हैं।

शिक्षा लोगों के संज्ञानात्मक गुणों, सहनशीलता और समझ को विकसित करने का एक साधन है, इसे भविष्य के शिक्षकों को वैश्वीकरण की वास्तविकताओं का सामना करने के लिए तैयार करना चाहिए। आज की शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों को अत्यधिक अपेक्षाओं और मांगों का सामना करना पड़ता है, कई शिक्षक नौकरी में असंतोष का अनुभव करते हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता में शिक्षकों द्वारा मध्यस्थता की जाती है क्योंकि उनमें पाठ्यक्रम में जीवन लाकर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की क्षमता होती है और छात्रों को प्रेरित करती है, उन्हें जिज्ञासु बनाती है और आत्म–निर्देशन सीखने का प्रयास करती है। शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। कक्षा में प्रभावी होने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता शिक्षक का एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रभावी शिक्षण के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता को समझना और लागू करने में सक्षम होना आवश्यक है। एक भावनात्मक रूप से बुद्धिमान शिक्षक शिक्षण, अभिकथन, प्रतिबद्धता, सकारात्मक व्यक्तिगत परिवर्तन, नेतृत्व और निर्णय लेने में सुधार के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता को सीखता है और लागू करता है जिससे शिक्षक की शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

सामाजिक विज्ञान में भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है; इसका किसी संगठन में काम करने वाले शिक्षक के व्यवहार पर सीधा प्रभाव पड़ता है और यह उनके पेशे की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों को मुख्य स्तंभ माना जाता है। वे मध्यस्थ हैं जिनके माध्यम से ज्ञान को उन छात्रों को हस्तांतरित किया जा सकता है जो समाज की नींव का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिक्षक ज्ञान के प्रभावी स्रोत नहीं हो सकते जब तक कि उनके पास आवश्यक कौशल, ज्ञान और प्रतिभा न हो। हाल के वर्षों में, शिक्षकों के बीच भावनात्मक बुद्धि की अवधारणा को इसके बहुत महत्व के कारण शैक्षणिक संस्थानों में ध्यान दिया गया है। शिक्षकों की भावनात्मक भलाई एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। शिक्षकों को भावनात्मक और सामाजिक सीखने के कौशल सिखाने की आवश्यकता पर महत्वपूर्ण रूप से बल दिया जा रहा है वास्तव में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक प्रकार की सामाजिक बुद्धिमत्ता है

जिसमें स्वयं की और दूसरों की भावनाओं को नियंत्रित करना शामिल है; अपने जीवन को स्थापित करने के लिए इन भावनाओं का उपयोग करने की क्षमता और उनके बीच चुनाव करें। इसलिए, शिक्षकों के प्रदर्शन को प्रभावी बनाने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता के कौशल की बहुत आवश्यकता होती है। यह कौशल शिक्षकों को न केवल अपने छात्रों के साथ बल्कि उनके सहयोगियों के साथ भी व्यवहार करने में सक्षम बनाता है। वर्तमान अध्ययन झारखण्ड के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शिक्षक प्रभावशीलता के स्तर का पता लगाने और यह पता लगाने का एक प्रयास है कि क्या भावनात्मक बुद्धि और शिक्षक प्रभावशीलता का कोई महत्वपूर्ण संबंध है।

भावना

भावना व्यक्तित्व, मनोदशा, स्वभाव और स्वभाव से जुड़ा व्यक्तिपरक अनुभव है। भावना निजी और व्यक्तिपूरक है। किसी व्यक्ति के व्यवहार को निर्देशित करने में भावनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भावनाएँ हमारे व्यवहार को एक विशेष दिशा प्रदान करने और इस प्रकार हमारे व्यक्तित्व को उनके विकास के अनुसार आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। व्युत्पत्ति के अनुसार, शब्द "भावना" लैटिन शब्द "इमोवर" से लिया गया है जिसका अर्थ है "उत्तेजित करना" या "उत्साहित करना". ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ने भावना को "किसी भी आंदोलन या मन की अशांति, भावना और जुनून, किसी भी उत्तेजना या उत्तेजित मानसिक स्थिति" के रूप में परिभाषित किया है।

वुडवर्थ (1945) के अनुसार भावना एक जीव की "चलित" या "उत्तेजित" अवस्था है। यह भावना की एक उत्तेजित अवस्था है, जो स्वयं व्यक्ति को दिखाई देती है। यह एक परेशान पेशी और ग्रंथियों की गतिविधि है जो बाहरी पर्यवेक्षक को दिखाई देती है। क्रो एंड क्रो (1973) ने भावना को एक प्रभावी अनुभव के रूप में परिभाषित किया जो सामान्यीकृत रैखिक समायोजन के साथ होता है और जो खुद को उसके खुले व्यवहार में दिखाता है। चार्ल्स जी. मॉरिस (1979) ने भावना को एक जटिल भावात्मक अनुभव के रूप में देखा जिसमें फैलाना शारीरिक परिवर्तन शामिल है और इसे विशेषताओं के व्यवहार पैटर्न में स्पष्ट रूप से

व्यक्त किया जा सकता है। मैकडॉगल (1949) ने इसे भावात्मक अनुभवों के रूप में परिभाषित किया है जो एक सहज उत्तेजना के दौरान होता है

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का इतिहास

भावनात्मक बुद्धिमत्ता की शुरुआती जड़ें चार्ल्स डार्विन के जीवित रहने और अनुकूलन के लिए भावनात्मक अभिव्यक्ति के महत्व पर काम करने के लिए खोजी जा सकती हैं। 1900 के दशक में, भले ही बुद्धि की पारंपरिक परिभाषाओं ने स्मृति और समस्या–समाधान जैसे संज्ञानात्मक पहलुओं पर जोर दिया, अध्ययन की बुद्धि में कई प्रभावशाली शोधकर्ताओं ने गैर–संज्ञानात्मक पहलुओं के महत्व को पहचानना शुरू कर दिया था।

ई.एल. थॉर्नडलाइक (1920) ने बहुत पहले बुद्धि के एक आयाम की पहचान की थी और इसे सामाजिक बुद्धिमत्ता का नाम दिया था और इसे 'मानव संबंधों में बुद्धिमानी से कार्य करने के लिए पुरुषों और महिलाओं, लड़कों और लड़कियों को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता' के रूप में वर्णित किया था। उन्होंने महसूस किया कि सामाजिक बुद्धिमत्ता कई क्षमताओं, या विशिष्ट सामाजिक आदतों और दृ ष्टिकोणों की एक बड़ी संख्या का एक पूर्ण मिश्रण है। सामाजिक बुद्धिमत्ता के उनके संदर्भ में तीन तत्व शामिल थेः

(ए) समाज के प्रति व्यक्ति का दृष्टिकोण जैसे ईमानदारी;

(बी) सामाजिक ज्ञान जैसे कि समकालीन मुद्दों में पारंगत होना और समाज के बारे में सामान्य ज्ञान; और

(सी) सामाजिक समायोजन के लिए व्यक्ति की क्षमता, जैसे पारस्परिक संबंध और पारिवारिक बंधन। यह देखा जा सकता है कि सामाजिक बुद्धि की थार्नलाइक की परिभाषा के तीसरे पहलू में लोगों से निपटने की क्षमता और व्यक्तित्व के अंतर्मुखता और बहिर्मुखता जैसे तत्व शामिल थे, जो आज की भावनात्मक बुद्धि के समान है। हालांकि, यह स्पष्ट किया जा सकता है कि थार्नडलाइक की परिभाषा में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक, भावनात्मक, व्यक्तित्व प्रकार, भावात्मक और गैर–प्रभावी से लेकर मानव बुद्धि से संबंधित लगभग सभी चीजें शामिल थीं।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता की परिभाषा

सैलोवी और मेयर (1997) ने विस्तार से बताया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता भावनाओं को समझने, भावनाओं तक पहुँचने और उत्पन्न करने की क्षमता थी ताकि विचार की सहायता की जा सके, भावनाओं और भावनात्मक ज्ञान को समझा जा सके और भावनात्मक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भावनाओं को प्रतिबिंबित किया जा सके।

डेनियल गोलेमैन (1998) के शब्दों में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमारी अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने की क्षमता है, खुद को प्रेरित करने के लिए, और अपने और अपने रिश्तों में भावनाओं को अच्छी तरह से प्रबंधित करने की क्षमता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

- अनुकुल एच., संजय डी. और उपिंदर डी. मैनुअल फॉर इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल। लखनऊः वेदांत प्रकाशन। 2021
- अग्रवाल, जे.सी. शैक्षिक अनुसंधान – एक परिचय। (चौथा। एड)। नई दिल्लीः आर्य बुक डिपो। 2021
- एरोन, ए., एरोन, ई.एन., और कूप्स, ई.जे. मनोविज्ञान के लिए सांख्यिकी। (चौथा।) दिल्लीः पियर्सन प्रकाशन. 2021.
- अग्रवाल, वाई.पी. शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान– अवधारणाएं, रुझान और संभावनाएं। नई दिल्लीः स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड.2021।
- अनास्तासी, ए। और उर्बिना। एस । मनोवैज्ञानिक परीक्षण (सातवां संस्करण)। नई दिल्लीः पीएचआई प्राइवेट लिमिटेड 2021।
- बार–ऑन, रूवेन। द इमोशनल इन्वेंटरी (ईक्यू–आई)ः ए टेस्ट ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस, टेक्निकल मैनुअल। टोरंटो, कनाडाः मल्टी हेल्थ– सिस्टम, इंक. 2021।

बेस्ट, जे.डब्ल्यू., और कान, जे.वी. (2021)। शिक्षा में अनुसंधान (सातवां संस्करण)।